क्योंकि सिंचाई के लिए जल को बेसिन वाले आठ राज्यों में संपूर्ण गंगा बेसिन में विभिन्न स्थानों पर इस्तेमाल किया जा रहा है और क्योंकि प्रवाह में वृद्धि, ऊपरी पहुंचों में प्रयुक्त जल के पुन: रूजीवन के रूप में, निचले स्थलों में भी होती है, अत: सिंचाई के लिए प्रयुक्त जल और समुद्र को बहकर जाने वाले जल की मात्रा का हिसाब लगाना संभव नहीं होगा।

(ख) 1953 से 1982 तक के बाढ़ क्षति आंकड़ों के आधार पर औसतन कुल क्षति लगभग 390 करोड़ रूपए है और प्रतिवर्ष औसतन 1368 व्यक्तियों की जानें जाती है। आठ राज्यों, में जो अंशत: या पूर्णत: गंगा बेसिन में है, इसी अवधि में बाढ़ क्षति और जन हानि क्रमश: 66 और 45% हुई है।

(ग) और (घ) गंगा नदी पूर्ववत वरदान नदी बनी हुई है। गंगा बेसिन में स्थिति राज्यों की सरकारों ने सिंचाई सुविधाओं का विकास करने और गंगा तथा उसकी सहायक नदियों के बाढ़ नियंत्रण के लिए बहुत बड़ी संख्या में सिंचाई परियोजनाएं हाथ में ली हैं। इनमें कुछ परियोजनाओं से लाभ प्राप्त होने आरम्भ हो गए है। राज्य भी जनता के लाभ के लिए गंगा नदी के जल संसाधनों का विकास करने के लिए अपने-अपने प्रयास कर रहे हैं। सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण क्षेत्र के लिए जल संसाधनों के शीघ्रतापूर्वक विकास हेतु छठी योजना के दौरान परिव्यय में काफी वृद्धि कर दी गई है। गंगा बेसिन में स्थिति राज्यों के सहयोग से गंगा बेसिन के लिए बाढ़ नियंत्रण हेतु व्यापक योजना तैयार करने के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा गंगा बाढ़ नियंत्रण आयोग का भी गठन किया गया है।

रेल गाड़ियों का विलम्ब से चलना

975. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले एक वर्ष के दौरान (1) कितनी रेल गांड़ियां समय पर चलीं, (2) कितनी रेलगाड़ियां एक से दस घंटे तक विलम्ब से चलीं और (3) कितनी रेल गाड़ियां रद्द करनी पड़ी ; और

(ख) क्या सरकार ने रेल गाड़ियों के विलम्ब से चलने के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया है और उसके कारणों यात्रियों को होने वाली कठिनाइयां तथा वित्तीय हानि का अनुमान लगाया है और रेल गाड़ियों को समय पर चलाने के लिए क्या उपाय किये गये?

रेल मंत्री (श्री ए० बी० ए० गनी खान चौधरी): (क) वर्ष 1982 में चलायी गयी कुल 1043374 मेल/एक्प्रेस और पैसेंजर गाड़ियों में से 826167 गाड़ियां (78.2) अपने गन्तव्य पर ठीक समय पर पहुंची। 1 घंटे से 10 घंटे तक देरी से चलने वाली गाड़ियों और देरी से चलने के कारण रद्द की गयी गाड़ियों की संख्या तुरन्त उपलब्ध नहीं है और उसके लिए क्षेत्रीय रेलों के मंडल मुख्यालयों से सूचना इकट्ठी करने के लिए पर्याप्त समय की आवश्यकता है। इतनी बड़ी मात्रा में इन आकड़ों को संकलित करने में जो समय और श्रम लगेगा वह इनसे प्राप्त होने वाले परिणामों के अनुरूप नहीं होगा।

(ख) गाड़ियों के समय पालन निष्पादन पर खतरे की जंजीर खीचे जाने

शरारती तत्वों की गतिविधियों, होज पाइप अलग कर कर दिए जाने, दुर्घटनाओं, जन आन्दोलन, कुहरे के मौसम, रोल स्टाक की खराबियों, सिगनलों की खराबियों, दोषों और अन्य परिचालनिक खराबियों के कारण दुष्प्रभाव पड़ा। महत्वपूर्ण मेल / एक्सप्रैस गाड़ियों के समय पालन निष्पादन पर दिन प्रतिदिन के आधार पर रेलवे बोर्ड कार्यालय में निगरानी रखी जा रही है और गाड़ियों के समय पर चलने से संबंधित मामले पर महाप्रबन्धक व्यक्तिगत रुप से ध्यान देते हैं। विभिन्न क्षेत्रीय रेलों पर संबंधित राज्य सरकार के साथ संपर्क रखा जा रहा है ताकि खतरे की जंजीर खींचे जाने, होज पाइप काटने और अन्य शरारती तत्वों की गतिविधियों जिनके कारण गाड़ियों के समय से चलाने पर गंभीर रूप से प्रभाव पड़ रहा है, की घटनाओं को रोका जा सके।

Foodgrains supply to Maharashtra

976. SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV: Will the Minister of FOOD AND CIVIL SUPPLIES be pleased to state:

(a) the demands of Maharashtra State for the supply of foodgrains for the years 1982-83 and 1983-84;

(b) the actual supply made in the year 1982-83 and the likely allotment for 1983-84; and

(c) whether Government propose to supply more foodgrains in view of famine conditions in that State?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES (SHRI BHAGWAT JHA AZAD): (a) and (b) A statement showing demand, allotment and offtake of foodgrains from Central Pool for Maharashtra for public distribution system|roller flour mills from April, 1982 to March, 1983, is attached. (*See* Appendix CXXV, Annexure No. 42.)

(c) Allotment of foodgrains from the Central Pool to the various States, including Maharashtra, is made on a month to month basis, taking into account the overall availability of stocks in the Central Pool, relative needs of the various States, stocks already held by the State Governments, market availability and other related factors. The monthly allocations are increased|decreased as a result of the monthly reviews of the requirements of the various States.

Proposal to import soyabean seeds

977. SHRI VITHALBHAI MOTIRAM PATEL: Will the Minister of FOOD AND CIVIL SUPPLIES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there is a proposal under Government's consideration to import soyabean seeds or cotton seeds for processing and subsequent re-export of soyabean, cotton seed cakes; and

(b) whether Government propose to import oil seeds and re-export oil-cakes?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES (SHRI BHAGWAT JHA AZAD): (a) and (b) There is no such proposal under consideration by Government at present.

Import of A. C. Electric Locomotives

978. SHRI SUKOMAL SEN:

SHRI SADASHIV BAGAITKAR:

SHRI B. SATYANARAYAN REDDY

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government have decided to import 20 A.C. Electric Locomotives under foreign collaboration;

(b) if so, what are the names of the manufacturers of the engines proposed to be imported and by what method the order was placed on that firm;